सैफई स्पोर्ट्स कॉलेज अब मेजर ध्यानचंद के नाम पर

खेल दिवस पर मुख्यमंत्री योगी ने किया 22 खिलाड़ियों का सम्मान

ओलंपिक में गोल्ड लाने वाले को सरकार देगी छह करोड़ | कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में पदक लाने वाले खिलाड़ियों को केंद्र के समान पुरस्कार | दस वर्षों में यूपी में पांच गोल्ड लाने का लक्ष्य

अमर उजाला ब्यूरो
लखनऊ।

इटावा का सैफई स्पोर्ट्स कॉलेज अब मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह घोषणा मंगलवार को खेल दिवस के मौके अपने सरकारी आवास पर आयोजित सम्मान समारोह में की। सीएम ने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने अपने खेल से पूरी दुनिया में देश की पहचान बनाई, इसलिए श्रद्धांजलि स्वरूप सैफई स्पोर्ट्स कॉलेज का नाम मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज करने की घोषणा की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 22 खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को उचित अवसर और मंच देने का काम उनकी सरकार ने काम शुरू किया है। यूपी सिर्फ जनसंख्या में नहीं खेलों में भी आगे रहना चाहिए। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री चेतन चौहान ने प्रतिभाओं को पहचानाने व अवसर देने का काम किया है। ओलंपिक में गोल्ड मेडल लाने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को प्रदेश सरकार छह करोड़ रुपये पुरस्कार में देगी। इसी तरह सिल्वर मेडल जीतने वालों को चार करोड़ तथा कांस्य पदक लाने वाले खिलाड़ी को दो करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। यही नहीं कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में भी पदक हासिल करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को केंद्र सरकार के समान समान पुरस्कार राशि दी जाएगी।

उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि खेलों में उत्तर प्रदेश पीछे है। उनकी सरकार ने खिलाड़ियों और खेलों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। राजनीति को खेल से दूर रखना चाहिए। चयन समिति से लेकर प्रतियोगिताओं तक के आयोजन में खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। उन्होंने अफसोस जताया कि लखनऊ जैसा शूटिंग रेंज कहीं नहीं है लेकिन, यह उपेक्षा का शिकार है।

खेल एवं युवा मंत्री चेतन चौहान ने कहा कि उन्होंने आगामी दस वर्षों में ओलंपिक, कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में यूपी में पांच गोल्ड लाने का लक्ष्य रखा है। प्रत्येक खेल की चयन समिति में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए 20 हजार रुपये महीने पेंशन शुरू की है। खेल एवं युवा विभाग के अपर मुख्य सचिव इफ्तखारुद्दीन ने कहा कि सरकार ने हाल ही में केंद्र सरकार की खेलो इंडिया योजना में 20-25 जिलों के ग्रामीण इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर जुटाने के लिए 275 करोड़ का प्रस्ताव भेजा है।

खेल दिवस के मौके पर मंगलवार को सम्मानित खिलाड़ियों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा। अमर उजाला

रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार

8 खिलाड़ियों को रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा और 3.11 लाख रुपये का पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	खेल	नाम	खेल
मंजुला पाठक	हैंडबाल	गार्गी यादव	कुश्ती
सुशीला पंवार	भारोत्तोलन	प्रीति गुप्ता	खो-खो
श्रेया सिंह	ताइक्वांडो	रंजना	हॉकी
श्रेया कुमार	सॉफ्टटेनिस	अंशू दलाल	जूडो

लक्ष्मण पुरस्कार

6 खिलाड़ियों को 3.11 लाख रुपये, लक्ष्मण की प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	खेल
राहुल चौधरी	कबड्डी
शनीष मणि मिश्रा	सॉफ्ट टेनिस
सिद्धार्थ वर्मा	जिम्नास्टिक
दानिश मुज्तबा	हॉकी
मो. असब	शूटिंग
रजनीश कुमार मिश्रा	हॉकी

12वें साउथ एशियन गेम्स के खिलाड़ी भी सम्मानित

12वें साउथ एशियन गेम्स 2016 में हैंडबाल की टीम में यूपी के चार खिलाड़ियों और वुशू के एक खिलाड़ी को एक-एक लाख रुपये और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	खेल
इंदु गुप्ता	हैंडबाल
सुष्टि अग्रवाल	हैंडबाल
मंजुला पाठक	हैंडबाल
सचिन कुमार भारद्वाज	हैंडबाल
उचित शर्मा	वुशू

आईएएस अफसर सुहास को 10 लाख का पुरस्कार

एशियन पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप और तुर्कीस ओपेन इंटरनेशनल पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप के विजेता आईएएस अधिकारी सुहास एलवाई को दस लाख रुपये और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महिला क्रिकेटरों को मिले 8-8 लाख रुपये

आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में उप विजेता रही भारतीय टीम में प्रदेश की दो खिलाड़ियों दीप्ति शर्मा व पूनम यादव को 8-8 लाख रुपये और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

टी-20 वर्ल्ड कप जीतना टीम का लक्ष्य : दीप्ति

लखनऊ। 'महिला वर्ल्ड कप में उपविजेता टीम की सदस्य बनकर गौरवान्वित महसूस करती हूं। इस सफलता के बाद मेरा कैरिअर बुलंदियों पर पहुंच गया है। घर से जब भी निकलती हूं कोई आटोग्राफ मांगता है, तो कोई सेल्फी लेना चाहता है।' महिला वर्ल्ड कप टीम में भारत के लिए खेलने वाली हरफनमौला दीप्ति शर्मा का कहना है शुरूआत में मैं भाई सुमित के साथ शौकिया क्रिकेट शौकिया खेलती थी। वर्ल्ड कप में फाइनल में मिली हार के बाबत दीप्ति ने कहा कि हमारी टीम फाइनल तक शानदार खेली, लेकिन दुर्भाग्यवश हम चैंपियन नहीं बन सके। अगले साल टी-20 वर्ल्ड कप जीतना टीम का लक्ष्य होगा।

महिला वर्ल्ड कप की उपविजेता भारतीय टीम की हरफनमौला खिलाड़ी ने साझा किए अनुभव

शुरुआत में जब क्रिकेट खेलती थी, तो लोग परिजनों से बातें करते थे कि कहां अपनी बेटी को क्रिकेट खेलने भेजती हो। महिला क्रिकेट के बारे में कौन जानता है लेकिन, मुझे हमेशा घर वालों ने सपोर्ट किया। शायद यही कारण है कि आज देश के लिए खेल रही हूं। महिला वर्ल्ड कप की शानदार कवरेज के बाद हम अचानक सुर्खियों में आ गए। लोग हमें पहचाने लगे हैं। यह सब हमारे लिए भले ही नया अनुभव हो लेकिन, सब कुछ बहुत सुखद है। **-पूनम यादव** (अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर)

2012 में बाएं और अब दाएं पैर में भी लिगामेंट फ्रैक्चर है। मार्च में ऑपरेशन के बाद डॉक्टर ने दस माह आराम करने को कहा है। सब कुछ ठीक रहा तो अगले साल मैदान पर लौटूंगा।

-दानिश मुज्तबा
(हॉकी ओलंपियन)

प्रदेश का सर्वोच्च खेल सम्मान पाना मेरे लिए गर्व की बात है। अब कोच के रूप में यूपी टीम से जुड़ा हुआ हूं और टीम को नेशनल चैंपियन बनाना मेरा लक्ष्य है।

-रजनीश मिश्रा
(पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी- लखनऊ)

देश के लिए पदक जीतने से बढ़कर कुछ नहीं होता। सैफ गेम्स में शानदार खेल दिखाकर स्वर्ण पदक जीता। आगे भी टीम के लिए पदक जीतने का प्रयास करूंगी।

-इंदु गुप्ता
(अंतरराष्ट्रीय हैंडबाल खिलाड़ी- लखनऊ)

साफ्ट टेनिस नया खेल है, लेकिन यूपी हमेशा इसके विजेता खिलाड़ियों में शामिल रहा है। पिता अनिल कुमार भी बड़े कोच रहे हैं, जिनके कारण मैं अपना कैरिअर बना सकी।

-श्रेया कुमार
(साफ्ट टेनिस खिलाड़ी- लखनऊ)

जब भी टाइम मिलता है, बैडमिंटन खेलता हूं : सुहास

पिता से प्रेरणा लेकर खेलों की दुनिया में आया

इसमें कोई शक नहीं कि मेरी इस सफलता में पत्नी रितु का बहुत योगदान है क्योंकि मैं तो जब भी खाली होता हूं, सीधे बैडमिंटन प्रैक्टिस पर निकल जाता हूं। टोक्यो पैरालंपिक गेम्स में जीतना मेरा एकमात्र लक्ष्य है।' पैरा शटलर के रूप में पहचान बना चुके सुहास एलवाई ने कुछ इस तरह बैडमिंटन के प्रति अपनी दीवानगी बयां की। उन्होंने कहा कि पिता यति राज बाल से प्रेरणा लेकर बैडमिंटन खेलने लगा। वर्ष 2007 की बात है, जब मसूरी में साई कोच एमएम पांडेय ने मुझे बताया कि मैं टैलेंटेड तो हूं, लेकिन अजेय नहीं। बस यहीं से प्रैक्टिस में जुट गया और बीजिंग एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना मेरे अंतरराष्ट्रीय कैरिअर की शुरुआत हुई।